NaiDunia (Indore), 12th September 2026, NaiDunia City, Page-I

आइआइटी इंदौर और एसपीएसयू उदयपुर ने शुरू किया एग्रीएक्सचेंज

लैब से खेत-बाजार तक पहुंचेगी नई कृषि तकनीक, उद्योग को भी मिलेगा फायदा

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर : खेती को स्मार्ट और अधिक लाभकारी बनाने के लिए विकसित तकनीकों को लैब से खेत और बाजार तक पहुंचाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी इंदौर) और सर पदमपत सिंघानिया विश्वविद्यालय (एसपीएसयू) उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय कार्यशाला 'एग्रीएक्सचेंज' एसपीएसयू परिसर में शुरू हुई। इसमें आइसीएआर-एनएसआरआइ इंदौर, आइसीएआर-सीआइएई भोपाल और सी-डैक पुणे भी सहयोगी हैं। कार्यशाला में वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं के साथ एफपीओ, एग्रीटेक स्टार्टअप, उद्योग और निवेशकों ने विभिन्न विषयों पर चर्चा की। इसका उद्देश्य ऐसी तकनीकों को बढ़ावा देना है, जो किसानों की समस्याओं का सीधा समाधान कर सकें और व्यावसायिक रूप से भी सफल हों। आइआइटी इंदौर का एग्रीहब जीनोमिक्स, प्रिसीजन एग्रीकल्चर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ), मशीन लर्निंग और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) पर काम कर रहा है। एग्रीहब के जरिए सोयाबीन और तिलहनी फसलों के लिए विकसित जीनोम ब्राउजर और एग्जीनो प्लेटफार्म को व्यावसायिक रूप दिया जा रहा है। साथ ही एआइ आधारित ग्राउंड वाटर मैनेजमेंट एप्लिकेशन का मप्र और राजस्थान में परीक्षण चल रहा है। विशेषज्ञों ने कहा कि केवल तकनीक विकसित करना काफी नहीं है। जब तक किसान उसे अपनाएंगे नहीं, नवाचार का उद्देश्य पूरा नहीं होगा। इसलिए एफपीओ, स्टार्टअप और किसानों को परीक्षण और विकास की प्रक्रिया में शुरुआत से शामिल करना जरूरी है। मुख्य वक्ता आइसीएआर-आइआइओआर, हैदराबाद की प्रधान वैज्ञानिक डा. चुंदुरी शारदा रहीं। एमईआइटीवाई के संयुक्त सचिव केके सिंह ने स्वदेशी तकनीकों को पेटेंट के जरिये सुरक्षित करने पर जोर दिया। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के निदेशक (डिजिटल एग्रीकल्चर) रवि रंजन सिंह ने लैब और खेत के बीच की दूरी कम करने की जरूरत बताई। एसपीएसयू अध्यक्ष प्रो. संजय सिन्हा ने किसानों, उत्पादकों और ब्रीडर्स तक तकनीक का लाभ पहुंचाने की बात कही।

कार्यशाला में विचार रखते हुए कृषि विशेषज्ञ। ●सौजन्य